# चौहान वंश

शाकम्भरी के चौहान ⇒ सांभर झील के आस-पास का क्षेत्र

शाखाएं

- अजमेर के चौहान
- रणथम्भौर के चौहान
- जालौर के चौहान

⇒ **चौहानों की उत्पत्ति** ⇒

- आग्निकुण्ड सिद्धान्त ⇒ दिया था ⇒ चन्द्रबरदाई ने अपने ग्रंथ पृथ्वीराज रासो में
  - उल्लेख मिला ⇒ ऋषि वशिष्ठ ने आबू पर्वत पर यज्ञ किया और इसके आग्निकुण्ड से 5 जातियां निकाली थी।
    - प्रतिहार
    - परमार
    - चालुक्य
    - चौहान ⇒ सबसे अन्त में

⇒ बिजौलिया शिलालेख के अनुसार चौहान ⇒ वत्सगौत्रिय ब्राह्मण थे

⇒ **शाकम्भरी के चौहान**

- संस्थापक ⇒ वासुदेव चौहान
  - संस्थापना की थी ⇒ 551 ई. में
  - स्थापना स्थान ⇒ सपादलक्ष / शाकम्भरी
    - सांभर के आस पास का क्षेत्र

→ राजधानी ⇒ अहिछत्रपुर ⇒ वर्तमान में नाम ⇒ नागौर

→ उपनाम ⇒ चौहान का मूलपुरुष
⇒ चौहानों का आदिपुरुष
⇒

→ निर्माण ⇒ सांभर झील (जयपुर)
⇒ शाकम्भरी माता (सांभर)

## चन्द्रराज

→ रानी ⇒ रुद्राणी ⇒ यह प्रतिदिन पुष्कर झील पर 1000 दीपक जलाती थी।
⇒ यह यौगिक क्रियाओं में निपुण थी।

## ~~विग्रहराज~~ - I

## पृथ्वीराज - I

→ सामन्त ⇒ हट्ड मोहिल ⇒ जीण माता का मंदिर बनवाया।
⇒ मंदिर ⇒ रैवासा (सीकर)
⇒ कहा गया ⇒ सीकर के चौहानों की कुलदेवी

## अजमेर के चौहान

→ संस्थापक ⇒ अजयराज / अजयपाल चौहान

→ नगर बसाया ⇒ अजमेरनगर 1113 ई॰ में

→ राजधानी ⇒ अजमेर को 1113 ई॰

→ इसका काल चौहान वंश का निर्माण काल

→ रानी ⇒ सोमलेखा / सोमलवती

→ इसके सिक्के चलाए - रानी सोमलेखा or स्वयं के अजयदेव नाम से चलाए।

note ⇒ राज० का पहला राजा अजयदेव जिसने अपनी रानी और खुद के नाम से सिक्के चलाए थे।

निर्माण करवाया ⇒ अजयमेरु दुर्ग (अजमेर)
- ⇒ गढ़बीठली दुर्ग
- ⇒ राज० का हृदय
- ⇒ राजपूताना की कुंजी।चाबी
- ⇒ अरावली का अरमान
- ⇒ राज० का जिब्राल्टर

note ⇒ इस दुर्ग पर राज० में सर्वाधिक सुदेशी आक्रमण हुए। जबकि सर्वाधिक विदेशी आक्रमण भटनेर दुर्ग पर हुए।

note ⇒ इस अजमेरु दुर्ग का आन्तरिक भाग का निर्माण कुंवर पृथ्वीराज / पृथ्वीराज सिसोदिया ने अपनी रानी तारा के लिए निर्माण करवाया और उसी के नाम पर नया नाम तारागढ़ दुर्ग रख दिया।

⇒ **अर्णोराज / आनाजी**

- → इसके काल की समस्या ⇒ अजमेर में तुर्की जाति की लूट-पाट
- → इसने अजमेर में तुर्कियों का नरसंहार किया था इनके खून से सनी धरती को शुद्ध करने के लिए बनवाई झील
  ⇓
  m **आनासागर झील** (अजमेर) 1137
  - → निर्माण ⇒ चन्द्रा + बाण्डी नदी का जल रोककर
  - → इसके किनारे बनवाए
  - → सुभाष उद्यान / दौलतबाग
    जहांगीर
  - → बारहदरी
    ↓
    शाहजहां ने बनवाया था।

note ⇒ हसमत बेगम ने सुभाष उद्यान में विश्व में पहली बार गुलाब से इत्र बनाने की विधि चलाई थी।

- इन्होंने कुल १२ मंदिर बनवाए थे।
- निर्माण ⇒ अजमेर में वराह मंदिर
- पुत्र ⇒ जगदेव
  - ⇒ विग्रहराज IV —पुत्र→ अपारगंगेय —पुत्र→ पृथ्वीराज III
  - ⇒ सोमदेव

note ⇒ जगदेव ने अपने पिता अर्णोराज की हत्या कर दी।

note ⇒ जगदेव को चौहानो का पहला पितृहन्ता कहा जाता है।

## बीसलदेव चौहान / विग्रहराज IV

- स्वयं विद्वान था ⇒ इन्होंने नाटक लिखा ⇒ हरकेलि नाटक
- यह विद्वानो का आश्रयदाता था
- दरबारी विद्वान ⇒ सोमदेव —पुस्तक लिखी→ ललितविग्रहराज
  - ⇒ नरपतिनाल्ह ——→ बीसलदेव ~~चौहान~~ रासो
- उपनाम ⇒ कवि बांधव / कवि बंधु
- इसके लिए किलहॉर्न ने कहा ⇒ यह ऐसा राजा जो कालिदास or भवभूति की होड़ कर सकता था।
- निर्माण करवाया था ⇒ संस्कृत पाठशाला / महाविद्यालय (अजमेर)
  - तुड़वाया था ⇒ कुतुबुद्दीन ऐबक ने
  - इसके स्थान पर कुतुबुद्दीन ऐबक ने बनवाया था
    - ↓ अढाई दिन का झोपड़ा (अजमेर)
      - राज० की पहली मस्जिद थी।
- इसके द्वारा आक्रमण किया गया ⇒ दिल्ली पर or यहां के राजा तंवर को पराजित किया
- राज० का ऐसा राजा जिसने दिल्ली जीता।

- इसका काल चौहान वंश का स्वर्णकाल (goldentime) कहलाया।
- इसने इस जीत की जानकारी के लिए लिखवाया था ⇒ शिवालिक स्तंभलेख
- शासक बना ⇒ **अपारगांगेय**
  - पुत्र
  - **पृथ्वीराज II** ⇒ निसन्तान मरा गया।
  - ~~चाचा~~ दादा
  - **सोमेश्वर चौहान**
    - रानी ⇒ कर्पूरी देवी
    - इसके काल में लिखा गया ⇒ बिजौलिया शिलालेख 1170 ई. में
      - लेखक ⇒ गुणभद्र
    - पुत्र ⇒ पृथ्वीराज चौहान III

## पृथ्वीराज चौहान III (1177 - 92)

- जन्म ⇒ 1166 में आन्हिलवाड़ा (गुजरात)
- माँ संरक्षिका बनी ⇒ कर्पूरी देवी
- राज्याभिषेक हुआ ⇒ 1177 में 11 वर्ष की अवस्था में
- प्रधानमंत्री बनाया ⇒ कैमास / कदम्बदास
- घोड़ा ⇒ नाट्यरम्भा
- सेनापति ⇒ भुवनमल
- रानी ⇒.
- पुत्र ⇒ गोविन्दराज
- उपनाम
  - रायपिथौरा
  - दलपंगुल / दलपुंगल
- नीति चलाई ⇒ दिग्विजय की नीति ⇒ अर्थ ⇒ आस - पास के राज्यों का विजेता

└ इसका विरोधी ⇒ चचेरा भाई ⇒ नागार्जुन

1178 – गुड़गाँव का युद्ध
- पृथ्वीराज └ जीत
- नागार्जुन └ हार

- समकालीन राजा ⇒ कन्नौज का जयचन्द गहड़वाल
- महोबा का ⇒ परमर्दिदेव
- पंजाब में ⇒ भण्डानक
- गुजरात ⇒ भीम III

⇒ पृथ्वीराज ने 1182 में भण्डानक जाति का दमन किया था।

⇒ युद्ध हुआ ⇒ 1182 में महोबा का युद्ध (U.P)
- पृथ्वीराज └ जीत
- परमर्दिदेव └ हार ⇒ सेनापति ⇒ आल्हा, ⇒ उदल

## पृथ्वीराज-चौहान (1177-92)

- दरबारी विद्वान ⇒ चन्दरबरदाई —पुस्तक लिखी→ पृथ्वीराज रासो —लेखन पूर्ण→ जल्हण ने (कौन था — पृथ्वीराज चौहान का पुत्र था।)
  - ⇒ जयानक भट्ट —पुस्तक लिखी→ पृथ्वीराजविजय
- इसके काल में भारत आने वाला आक्रमणकारी ⇒ मौहम्मद गौरी ⇒ यह गजनी (अफगानिस्तान) से आया था।

1191 – तराइन का I युद्ध
- पृथ्वीराज └ जीत
- मौहम्मद गौरी ⇒ हार

**note** इस युद्ध में गौरी को घायल किया पृथ्वीराज चौहान का सेनापति गोविन्दराज ने

## 1192 - तराइन का II युद्ध

- पृथ्वीराज
  - ↳ हार
- गौरी —साथ दिया→ कन्नौज शासक जयचन्द गहड़वाल ने
  - ↳ जीत
- → इस युद्ध के बाद गौरी पृथ्वीराज को कैद करके गजनी (अफगानिस्तान) ले जाता है।
- → चन्दरबरदाई की किताब पृथ्वीराजरासो के अनुसार गजनी में पृथ्वीराज ने गौरी को शब्दभेदी बाण से मारा or स्वंय आत्महत्या कर ली थी।

**note** ⇒ चन्दरबरदाई द्वारा बोला गया दोहा चार बांस 24 गज अंगुल अष्ठ प्रमाण ता ऊपर सुल्तान मत चूके चौहान

- → गौरी द्वारा 1194 में पृथ्वीराज के पुत्र गोविन्दराज को रणथम्भौर भेज दिया गया।
- → अजमेर के चौहान वंश का अन्तिम शासक था ⇒ पृथ्वीराज चौहान

## रणथम्भौर के चौहान

- → संस्थापक ⇒ गोविंदराज चौहान ने 1194 में की थी।
- → सबसे प्रसिद्ध शासक ⇒ हम्मीरदेव चौहान (1282 - 1301)
  - ↳ पिता ⇒ जैत्रसिंह ⇒ इसके लिए बनवाई जैत्रसिंह की छतरी

**जैत्रसिंह की छतरी**
- ⇒ स्थित है ⇒ रणथम्भौर में
- ⇒ 32 खम्भों की छतरी
- ⇒ उपनाम ⇒ न्याय की छतरी

- → रानी ⇒ रंगदेवी
- → पुत्री ⇒ देवल दे इसके लिए बनवाया **पदम तालाब**
  - स्थित है ⇒ रणथम्भौर
- → जानकारी के स्रोत ⇒ किताबें →
  - → हम्मीरमहाकाव्य —लेखक→ नयनचन्द्र सूरी
  - → हम्मीरमदमर्दन → जयसिंह सूरी
  - → हम्मीररासो → सारंगधर
  - → हम्मीररासो → जोधराज
  - → हम्मीर हठ → चन्द्रशेखर ने
  - → सुर्जनचरित्र → चन्द्रशेखर
  - → हम्मीरायण → भाण्डऊ व्यास
  - → खजाइनउल-फुतूह → अमीर खुसरो

note हम्मीरदेव चौहान के लिए कहावत ⇒ सिंह सुवन सत्पुरुष वचन कदली फलै इक बार हम्मीर हठ तिरिया तेल चढ़ै न दूजी बार।

note ⇒ इसने अपने जीवन में कुल 17 युद्ध लड़े उनमें से 16 में जीते और अन्तिम में हारे और इसी में मृत्यु हो गई।

- → इन्होंने यज्ञ करवाया ⇒ कोटिजन्य यज्ञ → पुरोहित था ⇒ विश्वरूप
- → इनका समकालीन सुल्तान ⇒ **दिल्ली का जलालुद्दीन खिलजी (1290-96)**
  - → इसने रणथम्भौर पर 1290-91 में आक्रमण किया।
  - → इसने जीता ⇒ **झाईन दुर्ग** (सवाई माधोपुर)
    - → उपनाम ⇒ रणथम्भौर दुर्ग की कुंजी/चाबी

m

⇒ जलालुद्दीन 1290-91 में रणथम्भौर दुर्ग जीतने में असफल हुआ व इनकी असफलता पर कहा ⇒ मैं ऐसे 10 दुर्गों को मुसलमान की दाढ़ी के बाल के बराबर नहीं समझता।

└→ इस दुर्ग की रक्षा करते हुए हम्मीरदेव का सेनापति ⇒ गुरदास सैनी मारा गया था

└→ इसके काल में दिल्ली का नया सुल्तान बना ⇒ **अलाउद्दीन खिलजी** (1296-1316)

- → यह अपने चाचा जलालुद्दीन खिलजी को मारकर शासक बना।
- → अलाउद्दीन खिलजी का वास्तविक नाम अली / गुरसाब।

⇒ **A·K** द्वारा रणथम्भौर पर आक्रमण का कारण :-

- → चाचा जलालुद्दीन की हार का बदला देना
- → A·K की साम्राज्यवादी नीति।
- → हम्मीरदेव द्वारा कर न देने पर
- → A·K के विद्रोही मोहम्मदशाह को हम्मीरदेव द्वारा शरण देना।

→ हम्मीरदेव के सेनापति ⇒ धर्मसिंह, भीमसिंह, रणमल, रतिपाल,

युद्ध हुआ ⇒ 1299 में हिन्दुवाट / घाटी का युद्ध

- **A·K**
  - → हार
  - → सेनापति
- **हम्मीरदेव**
  - └→ जीत

- सेनापति
  - अलूग खाँ
  - नुसरत खाँ

- सेनापति
  - धर्मसिंह
  - भीमसिंह
    - मारा गया

→ स्वंय A.K रणथम्भौर अभियान पर आया

**1301 रणथम्भौर का युद्ध**

- A.K → जीत
- हम्मीरदेव → हार

- A.K ने इस दुर्ग पर अधिकार किया 11 July 1301 मे
- हम्मीरदेव के विश्वासघाती रणमल + रतिपाल
- केसरिया किया हम्मीरदेव चौहान के नेतृत्व में सभी राजपूत लड़ते हुए मारे गए।
- जौहर किया ⇒ रंगदेवी + देवल दे ने पद्मतालाब मे कूदकर जल जौहर किया।
- राज० का पहला साका था।

note ⇒ अलाउद्दीन खिलजी ने रणथम्भौर का किला अपने सेनापति उलूग खाँ को सौंपा था।

note ⇒ अलाउद्दीन खिलजी ने युद्ध के बाद रणमल व रतिपाल और मोहम्मदशाह की हत्या कर दी।

→ A.K का दरबारी विद्वान ⇒ अमीर खुसरो ने रणथम्भौर विजय पर कहा था।

most कहा ⇒ आज कुफ्र का गढ़, इस्लाम का हो गया।
(कुफ्र ↓ हिन्दु; गढ़ ↓ स्थान)

## जालौर के सोनगरा चौहान ⇒

- प्राचीन नाम ⇒ जाबालीपुर
- यहा दुर्ग ⇒ **जालौर दुर्ग**
  - संस्थापक ⇒ गुर्जर प्रतिहार वंश के शासकों द्वारा
  - उपनाम
    - सोनलगढ़ — note: सोनारगढ़ (जैसलमेर दुर्ग)
    - सुवर्णगिरि — स्वर्णगिरि
    - जलालाबाद
  - यह दुर्ग सोनगिरी पहाड़ी पर स्थित है। जिसके कारण चौहानों को सोनगरा चौहान कहते है।
  - सोनगरा चौहानो की कुलदेवी ⇒ आशापुरा माता (मोदरा, जालौर)

## सोनगरा चौहान

- संस्थापक ⇒ **कितिपाल चौहान** ⇒ स्थापना समय ⇒ 1182 में
  - उपनाम ⇒ **कीतू एक महान शासक**
    - कहा गया ⇒ **मुहणोत नैणसी**
      - उपनाम ⇒ राजपूताने का अबुल फजल
      - कहा गया → मुरी देवी प्रसाद

→ प्रसिद्ध शासक ⇒ कान्हडदेव चौहान (1305-11)
- रानी ⇒ जैतलदे
- पुत्र ⇒ वीरमदेव
- भतीजा ⇒ शातलदेव चौहान → राजा था सिवाणा का बालोतरा
  - रानी ⇒ मैणादे

↳ कान्हडदेव की जानकारी देने वाले ग्रन्थ पुस्तक ⇒ कान्हडदेव प्रबंध
⇒ वीरमदेव सोनगरा रि बात
→ लेखक ⇒ पद्मनाभ

→ समकालीन दिल्ली का सुल्तान था ⇒ A·K (1296-1316)
- वास्तविक नाम ⇒ अली / गुरसाप

**कान्हडदेव (1305-11)**

→ सेनापति ⇒ जैता
⇒ देवडा
> इन्होंने 1299 में गुजरात अभियान से लौट रही A·K की सेना को लूटा।

→ A·K ने जालौर अभियान पर 1305 में सेनापति भेजा ⇒ एन-उल-मुल्क-मुल्तानी
- इसके समक्ष कान्हडदेव ने आत्मसमर्पण कर दिया।
- कान्हडदेव ने पुत्र ⇒ वीरमदेव को A·K की सेवा में भेजा

→ A·K द्वारा 1308 में जालौर अभियान पर भेजा सेनापति ⇒ कमालुद्दीन गुर्ग

**1308 में सिवाणा का युद्ध** (बालोतरा)

- A·K → जीत
- सातलदेव → हार
- शातलदेव के नेतृत्व में राजपूत सैनिकों ने केसरिया किया
- रानी मैणादे के नेतृत्व में महिलाओं ने जौहर किया।
- यह राज॰ का तीसरा साका था
- यहाँ सातलदेव का विश्वासघाती रख भावला।
  भायला (भाणेराव तालाब)

⇒ यह दुर्ग A·K ने सेनापति को सौंपा ⇒ कमालुद्दीन गुर्ग को

⇒ A·K ने सिवाणा का नया नाम रखा ⇒ खैराबाद

⇒ फिरोजा ने जालौर अभियान पर भेजा ⇒ धाय मां गुलविसीहत को

⇓

**1310 - मलकाना का युद्ध** (नागौर)

- वीरमदेव → जीत
- गुलविसीहत or शम्स खां → हार
- शम्स खां को कैद कर लिया।
- गुलविसीहत सूचना लेकर A·K

के पास पहुची

⇒ A·k स्वयं 1311 में गया था ⇒ जालौर अभियान पर

⇓

**1311 मे जालौर का युद्ध**

- कान्हड़देव
  - हार
- A·k
  - जीत
- → कान्हड़देव का विश्वासघाती ⇒ दहियाबीका
  - इसकी हत्या इसकी पत्नी हीरादेवी कर देती है।
- → कान्हड़देव ने केसरिया किया।
- → रानी ⇒ जैतलदे के नेतृत्व में महिलाओ ने जौहर किया।
- → यह राज० का चौथा शाका था

note ⇒ ~~इस~~ वीरमदेव ने आशापुरा माता के मंदिर के सामने आत्महत्या कर ली। जिसका सिर काटकर A·k फिरोजा को देता है।

note ⇒ फिरोजा कटे हुए सिर के साथ यमुना नदी में कूदकर सती हो जाती है।

note ⇒ A·k जालौर का नया नाम जलालाबाद रख देता है।

note ⇒ इस नरसंहार में कान्हड़देव का छोटा बेटा मालदेव A·k की अधीनता स्वीकार करता है। और जिन्दा बच जाता है।